

कलकत्ता संसद शिवालय
वाक्या - 2013/00254

20/11/24

पत्रावली पत्र हुई। पत्रिका वरि
अपना वरि की ओर से
आस्थित नहीं है। बार-बार
आवाज कावाई गई। वाक्य
आवाज से भी कोई आस्थित
नहीं आया है। अतः वरि का
वाक्या कइत फेरती इतना हास्य
के खातिर लिखा जाय है।
पत्रावली फेरल सुमार होकर
नम्बर से फेर है। दक्षिण
दफ्तर है।

